ढाई साल में राजस्थान कांग्रेस के 11 बड़े नेताओं की ''घर वापसी'' हुई

विधानसभा चुनाव से पहले कई और दिग्गज नेताओं की वापसी पर ध्यान दे रही पार्टी

-कार्यालय संवाददाता-

- कांग्रेस का दामन पुनः थामने वाले नेताओं में महेन्द्रजीत मालवीय, अमीन खान, मेवाराम जैन, वीरेंद्र बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बैरवा, गोपाल गुर्जर और रामचंद्र सराधना जैसे कई नाम शामिल है।
- ज्ञात रहे कि इनमें से कुछ नेताओं ने वर्ष 2023 में टिकट कटने के बाद पार्टी से बगावत करके चुनाव लड़ा था, जिसकी वजह से कांग्रेस प्रत्याशियों को चुनाव में काफी नुकसान भी हुआ, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस ने इन नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

जयपुर । आगामी 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले राजस्थान कांग्रेस के रणनीतिकार, पार्टी छोड़कर गए हुए दिग्गज कांग्रेसियों की ''घर वापसी'' की जद्दोजहद में जोर-शोर से जुटे हुए हैं, जिसका असर पार्टी में देखने को भी मिला है।

सूत्रों के मुताबिक पिछले ढाई साल में पार्टी छोड़कर गए 11 बड़े नेताओं की फिर से कांग्रेस पार्टी में वापसी हुई है, इन दिग्गज नेताओं के साथ इनके समर्थक सैकड़ों नेताओं ने भी कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक आने वाले दिनों में कई और बड़े नेता कांग्रेस पार्टी में फिर से शामिल हो सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति की ओर से पार्टी छोड़कर गए, जो नेता फिर से पार्टी में शामिल होने का प्रयास कर रहे हैं, उन नेताओं के बारे में अनुशासन समिति की ओर से आवश्यक जांच पड़ताल की जा रही है, हालांकि समिति की ओर से भी सकारात्मक रवैया दिखाई जा रहा है, इसलिए कहा जा रहा है कि बहुत जल्दी ही पार्टी के कई और बड़े नेता पार्टी में शामिल हो सकते हैं, जिसमें कई पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद और पार्टी के संगठन से जुड़े नेता शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, वैसे तो पिछले ढाई साल में समय-समय पर भाजपा और अन्य विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं की कांग्रेस पार्टी में एंट्री हुई है।

इसके साथ-साथ अलग-अलग वजह से पार्टी छोडकर गए कांग्रेस पार्टी के कई छोटे-बड़े नेता नियमित रूप से कांग्रेस पार्टी में दोबारा से शामिल हो रहे हैं, परंतु 11 बड़े नेता ऐसे हैं जिनके कांग्रेस पार्टी में फिर से शामिल होने से कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इन नेताओं में, मेवाड़ के दिग्गज महेन्द्रजीत मालवीय, अमीन खान, मेवाराम जैन, वीरेंद्र बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बेरवा, गोपाल गुर्जर, रामचंद्र सराधना जैसे कई नाम शामिल है। अगर महेन्द्रजीत मालवीय की बात करें तो मालवीय ने पिछला लोकसभा चुनाव बांसवाड़ा-डूंगरपुर से भाजपा के सिंबल पर लडा था और चुनाव में उन्हें हार मिली थी, मालवीय की बागड़ क्षेत्र में अच्छी पॉलीटिकल और व्यक्तिगत पकड़ है, अब मालवीय भी फिर से कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं।

वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद मालवीय विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता बनना चाहते थे, लेकिन जब उन्हें नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाया गया तो नाराज होकर उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी।

मालवीय के अलावा अमीन खान, मेवाराम जैन, वीरेंद्र बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बैरवा, गोपाल गुर्जर, रामचंद्र सराधना जैसे बड़े नेताओं की ''घर वापसी'' से भी प्रदेश कांग्रेस राहत महसूस कर रही है, क्योंकि इनमें से कुछ नेताओं ने वर्ष 2023 में टिकट कटने के बाद पार्टी से बगावत करके चुनाव लड़ा था, जिसकी वजह से कांग्रेस प्रत्याशियों को चुनाव में काफी नुकसान भी हुआ, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस ने इन नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

हालांकि कांग्रेस पार्टी छोड़कर दोबारा से कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं का कहना है कि उन्होंने बिना किसी शर्त के कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इन सभी बड़े नेताओं की निगाह वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले विधानसभा चुनाव पर टिकी हुई है, जिसमें वह अपने इलाकों में टिकट लेने के प्रयासों में अपनी ओर से कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दीपावली पर लोगों के बीच जाकर शुभकामनाएं दीं

सांगानेरी गेट से न्यू गेट तक पैदल घूमकर देखी बाजार की सजावट



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली के अवसर पर रविवार को रात्रि में सपरिवार जयपुर के परकोटा पहुंचकर आमजन से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चों, महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। रास्ते में जगह-जगह पर आमजन ने हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी आत्मीयता के साथ बच्चों को दुलार कर चॉकलेट दी, युवाओं से हाथ मिलाया तथा सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बिना किसी औपचारिकता के आमजन के बीच रहकर उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने सांगानेरी गेट से बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया होते हुए न्यू गेट तक आमजन के साथ पैदल घूमकर बाजार की सजावट को देखा। इस दौरान जयपुर नगर निगम के महापौर सुनील कोठारी, पार्षद पुनीत कर्नावट सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

डिवाइडर पर चढ़कर पलटी स्कॉर्पियो

जयपुर। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर सोमवार की दोपहर मनोहरपुर टोल प्लाजा के पास एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और पलट गई। हादसे के बाद गाड़ी में फंसे युवकों में चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने गाड़ी को धक्का देकर सीधा किया और उसमें सवार तीनों युवकों को बाहर निकाला। हादसे में दो युवक घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई। मनोहरपुर थानाधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि हादसा सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे मनोहरपुर टोल प्लाजा के पास हुआ। हरियाणा नंबर की स्कॉर्पियो में सवार तीन युवक जयपुर से रोहतक जा रहे थे। इसी दौरान टोल प्लाजा के पास स्कॉर्पियो डिवाइडर पर चढ़ गई और अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो में फंसे युवकों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे।

दिया कुमारी ने सतीश पूनियां को भाई दूज पर तिलक लगाया



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद सतीश पूनियां के निवास पर पहुंचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दीपावली के पावन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दिया कुमारी ने सतीश पूनियां को तिलक लगाकर भाई दूज की रस्म निभाई। उन्होंने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की मंगलकामना की।

अदालत ने खत्म की 23 साल पुरानी शादी

जयपुर। महानगर की पारिवारिक न्यायालय क्रम 4 ने पति पर अप्राकृतिक शारीरिक संबंध बनाने के झूठे आरोप लगाने को मानसिक क्रूरता की श्रेणी में माना है। अदालत ने पति के पक्ष में तलाक की डिक्री जारी करते हुए 23 साल पुरानी शादी का अंत कर दिया है। अदालत ने यह आदेश पति की ओर से दायर तलाक याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। पीठासीन अधिकारी प्रियंका पिलानिया ने अपने फैसले में कहा कि पत्नी स्वयं एक वकील है और कानून की जानकार है। इसके बावजूद उसने पति को हैरान-परेशान करने के लिए बिना किसी आधार के 10 साल पुराने मामलों को लेकर अप्राकृतिक संबंध जैसी गंभीर धाराओं में एफआई आर दर्ज कराई। अदालत ने पत्नी के अपमानजनक व्यवहार और गंभीर झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने के आरोप तथा बिना किसी कारण के बीस साल पहले ससुराल छोड देने और पति से अलग रहने को मुख्य आधार माना। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हर व्यक्ति के काम करने की क्षमता अलग-अलग होती है। यदि कोई पत्नी अपने पति से लगातार उसकी क्षमता से अधिक की अपेक्षा कर ताने देकर उसका अपमान करे, तो वह भी मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। अदालत ने कहा की पत्नी एक तरफ तो यह कह रही है कि पति कोई काम नहीं करता है और सारे दिन शराब पीता है, वहीं दूसरी तरफ घरेलू हिंसा के केस में वह कहती है कि वह कोचिंग चलाकर 1 लाख रुपए महीना कमाता है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि एक शिक्षित महिला से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपनी शिक्षा को त्यागकर केवल घरेलू काम करे और सिर्फ पति की माता की देखभाल करे, जबकि पति स्वयं माता की देखभाल करने में सक्षम है।

पत्नी की हत्या के आरोप में मिली थी उम्रकैद, हाईकोर्ट ने बरी किया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के आरोप में पति को मिली आजीवन कारावास की सजा को निरस्त कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने अपीलार्थी पति को बरी कर दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश राजवीर की अपील को स्वीकार करते हुए दिए। एडीजे, बयाना ने अपीलार्थी को 4 मार्च, 2015 को सजा सुनाई थी।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अपीलार्थी और मृतक करीब पन्द्रह साल से सुखी विवाहित जीवन व्यतीत कर रहे थे और उनके बीच कोई विवाद नहीं था। इसके अलावा फांसी लगाने में काम ली गई रस्सी को एफएसएल के लिए नहीं भेजा गया। वहीं मृतक के गले के अलावा अन्य जगह चोट का कोई निशान नहीं था। अदालत ने माना की शिकायतकर्ता पिता भी पक्षद्रोही हो गया और हत्या करने का कोई कारण भी सामने नहीं आया।

अपील में अधिवक्ता अभिमन्यु सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता रामफल ने 5 जुलाई, 2013 को रूपवास थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसके बेटे राजवीर ने अपनी पत्नी की रस्सी से फांसी लगाकर हत्या कर दी है। मामले में एडीजे कोर्ट ने उसे उम्रकैद सुनाई। अपील में कहा गया कि दोनों के बीच कोई विवाद नहीं था। इसके अलावा शिकायतकर्ता ने भी उसे हत्या करने नहीं देखा।

अपीलार्थी के बेटे के बयान पर उसे सजा दी गई है, जबकि उसके बयान ही विरोधाभासी है। यदि वह हत्या करता तो मृतक के शरीर के दूसरे अंगों पर भी संघर्ष से निशान मिलते, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में केवल गले पर ही चोट के निशान मिले हैं। ऐसे में उसे बरी किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अपीलार्थी को बरी कर दिया है।

अक्षरधाम मंदिर में ठाकुरजी को 1100 व्यंजनों का भोग लगाया



जयपुर । वैशाली नगर स्थित श्री स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर जयपुर में मंगलवार को प्राचीन वैष्णव परंपरा के अनुसार गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुरजी का विशेष शृंगार किया गया। इस दौरान ठाकुरजी को 1100 से अधिक प्रकार के सात्विक व्यंजनों का अन्नकूट अर्पित किया गया और दुग्ध पदार्थों, फलों, अनाजों से बने पारंपरिक भारतीय व्यंजनों में राजस्थानी, गुजराती, दक्षिण भारतीय, उत्तर भारतीय एवं अन्य क्षेत्रीय व्यंजनों के साथ-साथ देश-विदेश के व्यंजनों की आकर्षक झाँकी सजाई गई। इस अवसर पर संतों एवं भक्तों ने शास्त्रोक्त विधि से गोवर्धन पूजा कर अन्नकूट की मुख्य आरती की, तथा जन सामान्य की सुख-समृद्धि, एवं विश्वशांति के लिए प्रार्थना की।

मंदिर के कोठारी संत पूज्य जयतीर्थ स्वामी ने इस पावन पर्व की महिमा समझाते हुए बताया कि 5000 साल पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पूजन किया और अन्नकूट उत्सव कि परंपरा प्रारम्भ की, और आज बी.ए.पी.एस. के देश-विदेश में स्थित, सभी मंदिरों में यह अन्नकूट का महोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है, इसका मर्म यही है कि भगवान सर्व कर्ता-हर्ता है, अगर हम भगवान कि शरण में रहेंगे, तो भगवान हमारी रक्षा हमेशा करेंगे, जैसे श्रीकृष्ण भगवान ने गोवर्धन उठाकर भक्तों कि रक्षा की थी। अन्नकूट के इस विशिष्ट अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने गोवर्धन पूजा और गौ माता का पूजन कीया तथा अन्नकूट की विशिष्ठ झाँकी के दर्शन का लाभ लिया।

दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो इस निमित्त पार्किंग से लेकर जूते-चप्पल रखने एवं जलपान तक की निःशुल्क व्यवस्था संतों-स्वयंसेवकों के द्वारा समर्पित भाव से की गई।

कर चोरी को लेकर प्रदेश में 20 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी-जांच; 2.35 करोड़ रु. जमा

- बिना बिल खरीद-बिक्री, स्टॉक में गड़बड़ी और फर्जी आईटीसी के मामले पकड़े
- जयपुर, अजमेर, जोधपुर, भीलवाड़ा, पाली, ब्यावर और अलवर में हुई कार्रवाई

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की कर चोरी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कर विभाग ने प्रदेशभर में बड़ी कार्रवाई की है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में विभाग की टीमों ने जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, जोधपुर, पाली, ब्यावर, अलवर, किशनगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में 20 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे एवं जांच की। कार्रवाई के दौरान व्यापारियों ने करीब 2.35 करोड़ रुपये की स्वैच्छिक कर जमा एवं इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) रिवर्सल किया।

जांच में बिना बिल खरीद-बिक्री, स्टॉक में अंतर, वास्तविक टर्नओवर छिपाने, अपात्र आईटीसी लेने और कम कर भुगतान जैसी अनियमितताएं सामने आईं। कई प्रतिष्ठानों से कच्ची बिल बुकें, डायरियां, रोकड़ बही और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त कर आगे की जांच के लिए सम्मन जारी किए गए।

जयपुर के झोटवाड़ा स्थित महावीर ग्लास एंड एल्युमिनियम वर्क्स से 10 लाख, गोकुल इंडस्ट्रीज से 39.72 लाख और क्लब टेडी रेस्टोरेंट से 10.04 लाख रुपये जमा एवं रिवर्स करवाए गए। अजमेर के पद्मावती गोल्ड से 28 लाख और यूनिक एनएक्स से 7.50 लाख रुपये जमा करवाए गए। भीलवाड़ा के राज सेल्स से 10.60 लाख तथा पाली के ओम टाइल्स एंड सेनेटरी से 7 लाख रुपये की वसूली हुई। जोधपुर के पावर पार्टनर से 14.09 लाख, डिस्कवर इंडिया इन्फ्रा से 25.53 लाख और जयथलिया एजेंसी से 10.12 लाख रुपये जमा एवं आईटीसी रिवर्सल के रूप में प्राप्त किए गए।

अजमेर के महावीर सेल्स कॉर्प में करीब 80 से 90 लाख रुपये के संभावित स्टॉक अंतर का मामला सामने आया। फर्म ने 5 लाख रुपये जमा करवाए। संबंधित महावीर मिल्क प्रोडक्ट में भी 70 से 80 लाख रुपये के संभावित स्टॉक अंतर की जांच की गई और 7.50 लाख रुपये जमा हुए।

ब्यावर के श्रीनाथ होजियरी से 10 लाख, नाहटा एंटरप्राइजेज से 10 लाख और विजय पेंट्स इंडस्ट्रीज से 5.50 लाख रुपये जमा करवाए गए। नाहटा एंटरप्राइजेज से कच्ची रोकड़ बही, डायरी और रसीद बुक सहित दस्तावेज जब्त किए गए, जबकि विजय पेंट्स इंडस्ट्रीज से कच्ची बिल बुकें मिलीं।

अलवर के लक्ष्मी ट्रेडर्स एवं संबंधित फर्म से 10.30 लाख, जयपुर के सीताराम नरेन्द्र कुमार ऑयल प्रोडक्ट्स से 6 लाख, श्रीडूंगरगढ़ के लक्ष्मी प्लाईवुड से 5 लाख और अजमेर के राकेश कुमार जैन से 5 लाख रुपये जमा करवाए गए। कर विभाग के अनुसार संबंधित प्रतिष्ठानों के स्टॉक, लेखा पुस्तकों, खरीद-बिक्री के बिलों और जीएसटी रिटर्न का मिलान किया जा रहा है। जांच में कर अपवंचन प्रमाणित होने पर सीजीएसटी/आरजीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत आगे कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य कर चोरी रोकने के साथ ईमानदार व्यापारियों के हितों की रक्षा और राजस्व वृद्धि सुनिश्चित करना है।

ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर आरएसी जवान से 4.80 लाख रु. ठगे

जयपुर। गलता गेट थाना इलाके में ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने का झांसा देकर आरएसी के जवान से 4 लाख 80 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित शीशराम स्वामी (32) आरएसी की पांचवीं बटालियन घाटगेट में तैनात है। पीड़ित ने गलता गेट थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गलता गेट थानाधिकारी धर्मेंद्र शर्मा के अनुसार, करीब चार-पांच महीने पहले शीशराम स्वामी ने ट्रेडिंग में निवेश किया था। उस दौरान उसे करीब 5 हजार रुपए का मुनाफा हुआ था, लेकिन बाद में उसने ट्रेडिंग बंद कर दी। करीब चार दिन पहले उसके पास एक अनजान नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने ट्रेडिंग में अच्छा मुनाफा होने का लालच देकर उसे दोबारा निवेश करने के लिए तैयार कर लिया। पीड़ित जवान ने 7 नवंबर को दोबारा ट्रेडिंग में निवेश करना शुरू किया और अलग-अलग किस्तों में रकम जमा करवाता रहा। इस दौरान ट्रेडिंग करवाने वाले व्यक्ति ने अपने नियंत्रण वाले ट्रेडिंग खाते के माध्यम से उसे निवेश करवाया। करीब 4 लाख 80 हजार रुपए लगाने के बाद आरोपी ने अपना मोबाइल नंबर बंद कर दिया। इसके बाद पीड़ित को ठगी का पता चला।

आतिशबाजी से 112 लोग घायल होकर पहुंचे एसएमएस अस्पताल

जयपुर। दीपावली पर आतिशबाजी का उत्साह कई लोगों के लिए हादसे में बदल गया। पटाखों से आगजनी और झुलसने के साथ आंखों में चोट लगने की घटनाएं भी सामने आईं। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल में आतिशबाजी से घायल होकर 112 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। इनमें 51 मरीज जलने से झुलसे, जबकि 61 मरीजों की आंखों में चोट आई। गंभीर स्थिति को देखते हुए 13 झुलसे मरीजों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।

'खनिज ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान देशभर में अव्वल'

140 प्रधान खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी, 14 ब्लॉकों की लीज डीड पूरी

-कार्यालय संवाददाता-

- नवंबर अंत तक शुरू होगा खनन, प्री-एम्बेडेड क्लीयरेंस वाले 8 ब्लॉकों की नीलामी में भी प्रदेश प्रथम

जयपुर। खनिज ब्लॉकों की नीलामी और संचालन में राजस्थान ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने प्रदेश के शानदार प्रदर्शन की सराहना की है। सोमवार को केंद्रीय खान मंत्रालय की ओर से आयोजित उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राजस्थान की उपलब्धियों की समीक्षा की गई। इसमें मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

बैठक में बताया गया कि राजस्थान ने प्रधान खनिजों के सर्वाधिक 140 ब्लॉकों की सफल नीलामी कर देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। नीलाम किए गए ब्लॉकों में से 11 के संचालन का लक्ष्य था, जबकि प्रदेश ने 14 ब्लॉकों में सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त कर लीज डीड की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इन सभी ब्लॉकों में नवंबर के अंत तक खनन शुरू होने की संभावना है।



प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की ओर से ली गई बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

राजस्थान ने देश के 10 प्रमुख खनन राज्यों में प्री-एम्बेडेड क्लीयरेंस वाले सर्वाधिक 8 ब्लॉकों की नीलामी कर पहला स्थान हासिल किया है। इससे सफल बोलीदाताओं को खनन शुरू करने में आसानी होगी और संचालन की प्रक्रिया समयबद्ध हो सकेगी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया कि राज्य सरकार खनिज संसाधनों के पारदर्शी दोहन, पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन बनाकर काम कर रही है।

इसके लिए यूनिफाइड माइनिंग पोर्टल पर ब्लॉक नीलामी तथा परिवेश पोर्टल पर भूमि बैंकों का डिजिटलीकरण और आंकडे अपलोड करने की प्रक्रिया समयबद्ध की गई है। बैठक में देश के 10 प्रमुख खनन राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्रीय खान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी, शीघ्र संचालन, उत्पादन और वैधानिक प्रक्रियाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

